



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 203]
No. 203]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 15, 1978/चैत्र 25, 1900
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 15, 1978/CHAITRA 25, 1900

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वाणिज्य, नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पूति और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1978

का० आ० 271 (अ)—केन्द्रीय सरकार की राय है कि चाय के, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रदाय को बनाए रखने के लिए, और उसका साम्य-पूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है ;]

अतः अब, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण और स्टाफ की घोषणा) आदेश, 1978 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएँ.—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) 'कमीशन अधिकर्ता' से ऐसा कमीशन अधिकर्ता अभिप्रेत है जिसे ऐसे अधिकर्ता के रूप में कारबार के हदिक अनुक्रम में चाय बेचने का या चाय बेचने के प्रयोजनों के लिए चाय को परेषित करने का, या चाय खरीदने का प्राधिकार प्राप्त है ;

(ख) 'व्यवहारी' से चाय का व्यवहारी अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत दलाल, कमीशन अधिकर्ता, विनिर्माता और गोदाम रक्षक भी हैं ;

(ग) 'राज्य आदेश' से आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के (उपबन्धों) के अधीन किसी राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा चाय के सम्बन्ध में जारी किया गया और तत्समय प्रवृत्त आदेश अभिप्रेत है ;

(घ) 'चाय' से कसेलिया साइनेन्सिस (एल) ओ क्रुन्जे नामक पौधा, और साथ ही उक्त पौधे की पत्तियों से बने उत्पाद की, जो वाणिज्य जगत में चाय के नाम से, जिसके अंतर्गत हरी चाय भी है, शात है, सभी किस्में अभिप्रेत हैं ;

(ङ) 'गोदाम रक्षक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके स्वामित्व में ऐसा कोई गोदाम हो या जो ऐसा कोई गोदाम बनाए रखता हो जहाँ नीलाम द्वारा अथवा अन्य प्रकार से बिक्री के प्रयोजनार्थ चाय का भण्डारण किया जाता है ;

(च) यहाँ प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो उन्हें क्रमशः चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) में दिए गए हैं।

3. व्यवहारियों का रजिस्ट्रीकरण.—राज्य आदेश में किसी बात के होते हुए भी, इस आदेश के प्रवृत्त होने से 30 दिन की अवधि का अवसान होने के पश्चात् कोई व्यक्ति, यदि उसके कब्जे में चाय का 1000 किलोग्राम

से अधिक स्टॉक हो तो, व्यवहारी के रूप में तब तक कोई कारबार नहीं करेगा जब तक कि वह राज्य आदेश के उपबन्धों के अनुसार इस रूप में रजिस्ट्रीकृत न हो।

4. विवरणियाँ.—प्रत्येक व्यवहारी ऐसे प्राधिकारी को, जिसे राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस निमित्त राज्य सरकारें विनिर्दिष्ट करें, अपने द्वारा रखी गई चाय के उतने स्टॉक की, जितना 1000 किलोग्राम से अधिक हो, एक पाक्षिक विवरणी देगा।

5. राज्य आदेशों का लागू होना.—राज्य आदेश के उपबन्ध ऐसे किसी मामले की बाबत लागू होंगे जिसके लिए इस आदेश में विनिर्दिष्टता कोई भी उपबन्ध नहीं किया गया है।

[फा० सं० 26(3)/78-ई० सी० प्रार०]

टी० बालकृष्णन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES &

COOPERATION

(Department of Civil Supplies & Cooperation)

ORDER

New Delhi, the 15th April, 1978

S.O. 271(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies of tea, in essential commodity, and for securing its equitable distribution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Tea (Registration of Dealers and Declaration of Stocks) Order, 1978.

(2) It shall come into force at once.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "commission agent" means a commission agent having in the customary course of business as such

agent authority either to sell tea, or to consign tea for the purposes of sale or to buy tea;

(b) "dealer" means a dealer in tea, and includes, commission agent, manufacturer and house keeper;

(c) "State Order" means any Order Government or Union Territory Administration under the provisions of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) in relation to tea and in force for the time being;

(d) "tea" means the plant *Camellia Sinensis* (L.) O. Kuntze as well as all varieties of the product known commercially as tea made from the leaves of the said plant, including green tea;

(e) "warehouse keeper" means a person who owns or maintains a warehouse wherein tea is stored for the purposes of sale either by auction or otherwise;

(f) words and expressions used but not defined herein shall have the meanings respectively assigned to them in the Tea Act, 1953 (29 of 1953).

3. Registration of dealers.—Notwithstanding anything contained in any State order, after the expiration of a period of 30 days from the coming into force of this order, no person shall, if the stocks of tea in his possession exceed 1,000 kilograms, carry on business as a dealer unless he is registered as such in accordance with the provisions of a State Order.

4. Returns.—Every dealer shall furnish fortnightly returns to such authority as may be specified by the State Governments in this behalf by notification in the Official Gazette in respect of such stocks of tea held by him as are in excess of 1,000 kilograms.

5. State orders to apply.—The provisions of the State Orders shall apply in respect of any matter for which no provision has been specifically made in this order.

[F. No. 26(3)/78-ECR]

T. BALAKRISHNAN, Joint Secy.